मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24/08/2023

## //आदेश//

क्रमांक आर/221/2023/20-3 :: विभागीय आदेश क्रमांक एफ 44-19/2016/20-2 दिनॉक 26.08.2016 को निरस्त करते हुए निम्नानुसार आदेश प्रसारित किये जाते हैः-

1. शिक्षण सत्र 2023-24 से कक्षा 9वीं एवं 10वीं में सतत् व्यापक मूल्यांकन प्रकिया लागू किया जाए।
2. शिक्षण सत्र 2023-24 में कक्षा 9वीं एवं 2024-25 में कक्षा 10वीं में विद्यार्थियों को सामान्य गणित एवं उच्च गणित का विकल्प दिया जाए।
3. सतत् व्यापक मूल्यांकन एवं सामान्य गणित एवं उच्च गणित का विकल्प की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुये शिक्षण सत्र 2024-25 से राज्य शासन एतद् द्वारा कक्षा 9वीं एवं 10वीं की वार्षिक परीक्षा में प्राप्तांको की गणना हेतु बेस्ट आफ फाईव पद्वति समाप्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
23/8/23
(प्रमोद सिंह)
उपसचिव
म.प्र.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग

पृ.कमांक आर/221/2023/20-3 भोपाल, दिनांक 24/08/2023

प्रतिलिपिः-

1. विशेष सहायक, माननीय मंत्री, स्कूल शिक्षा विभाग, म.प्र. भोपाल
2. आयुक्त, लोक शिक्षण/संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
3. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल
4. प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम, भोपाल
5. संचालक, मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल
6. निदेशक, महर्षि पंतजली संस्कृत संस्थान भोपाल
7. सचिव, मदरसा बोर्ड मध्यप्रदेश भोपाल
8. समस्त जिला कलेक्टर्स, मध्यप्रदेश
9. समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मध्यप्रदेश
10. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग, म.प्र.
11. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, मध्यप्रदेश।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

23/8/23
उपसचिव
म.प्र.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग

### नवमीं-दसवीं में सामान्य गणित और उच्च गणित का रहेगा विकल्प

# माशिमं की 10वीं में पांच साल बाद बेस्ट ऑफ फाइव समाप्त

**40 लाख विद्यार्थियों पर पड़ेगा असर**

## दसवीं में लागू रहेगी सतत व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया, स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश

**भोपाल, (आरएनएन)।** स्कूल शिक्षा विभाग ने पांच साल बाद नवमीं-दसवीं में बेस्ट आफ फाइव को समाप्त कर दिया है। नवमीं-दसवीं में सामान्य गणित व उच्च गणित का विकल्प रहेगा। नवमीं-दसवीं में सतत व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू रहेगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिए हं। हालांकि बेस्ट आफ फाइव के समाप्त करने के निर्णय को वर्ष 2024-25 से लागू किया जाएगा।

दरअसल मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं परीक्षा में छह साल पहले वर्ष 2017 में आधे से अधिक छात्र फेल हो गए थे। इस संकट से उबरने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बेस्ट आफ फाइव योजना को लागू कर दिया था। इसमें परीक्षाथीं सभी छह विषय की परीक्षा में शामिल होंगे, लेकिन सर्वाधिक पांच अंक वाले विषयों के नंबर जोड़कर रिजल्ट घोषित किया जाएगा। जबकि सबसे कम अंक आने वाले विषय को रिजल्ट में शामिल नहीं किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों ने अंग्रेजी, गणित व विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को पढ़ना बंद कर दिया। बेस्ट आफ फाइव लागू होने के बाद दसवीं के वर्ष 2018 के रिजल्ट में काफी सुधार आया। लेकिन इसमें देखने में आया कि विद्यार्थियों ने गणित व अंग्रेजी पर ध्यान देना बंद कर दिया। पिछले सालों में दसवीं की गणित व अंग्रेजी में सबसे ज्यादा विद्यार्थी फेल हुए हैं। गणित, विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों में फेल होने के बाद भी विद्यार्थियों के पांच विषयों में पास होने पर पास की अंकसूची जारी की गई। लेकिन इसका नतीजा यह निकला कि यह छात्र आर्मी में भर्ती के लिए अयोग्य हो गए। इसे देखते हुए माशिमं द्वारा पिछले साल भी बेस्ट आफ फाइव को समाप्त करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा, लेकिन इसे अमान्य कर दिया गया था। इस बार मंडल की समिति ने दोबारा प्रस्ताव भेजा। जिसके बाद गुरुवार को स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह ने नवमीं-दसवीं मे बेस्ट आफ फाइव को समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। बेस्ट आफ फाइव को समाप्त करने का आदेश नवमीं-दसवीं में वर्ष 2024-25 से लागू किया जाएगा। जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षण सत्र 2023-24 से कक्षा 9वीं व 10वीं में सतत व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया लागू की जाएगी। शिक्षण सत्र 2023-24 में कक्षा नवमीं व 2024-25 से कक्षा 10वीं में विद्यार्थियों को सामान्य गणित एवं उच्च गणित का विकल्प दिया जाएगा।

### इस कारण समाप्त की गई बेस्ट आफ फाइव

बेस्ट आफ फाइव प्रणाली के अंतर्गत छह विषयों में यदि विद्यार्थी एक में पास नहीं है, परंतु अंकसूची के अनुसार वह उत्तीर्ण है, तो वह भारत सरकार द्वारा लिए जाने वाला आर्मी (जीडी) के फार्म को नहीं भर सकता। क्योंकि उस फार्म में छात्रों को दसवीं प्रणाली में विज्ञान, गणित एवं हिंदी जैसे विषयों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होता है। मप्र में संचालित आईटीआई में भी यदि छात्र गणित व विज्ञान के साथ दसवीं उत्तीर्ण नहीं करता है, तो कई ट्रेडस में प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित किया जाता है। छात्र जिस विषय में कमजोर है, उस विषय की पढ़ाई नहीं करता है। ऐसे विषयों में गणित, अंग्रेजी व विज्ञान विषय शामिल है। मुख्य विषयों का महत्व कम हो गया है।

### दसवीं में पिछले सालों का बेस्ट आफ फाइव का रिजल्ट

वर्ष 2023 में दसवीं की अंग्रेजी में 33 फीसदी यानि 2 लाख 66 हजार विद्यार्थी फेल हुए, जबकि गणित में 27 फीसदी यानि 2 लाख 17 हजार व विज्ञान में 28 फीसदी यानि 2 लाख 28 हजार विद्यार्थी फेल हुए थे। माशिमं की दसवीं के परिणाम वर्ष 2022 में बेस्ट फाइव से दसवीं की गणित व अंग्रेजी में सवा तीन लाख विद्यार्थी फेल हुए थे। वर्ष 2019 के दसवीं परिणाम में बेस्ट फाइव के कारण दसवीं की गणित में करीब बार लाख व अंग्रेजी में तीन लाख विद्यार्थी फेल हुए। वर्ष 2018 में गणित विषय में 8 लाख 9 हजार 477 विद्यार्थी शामिल हुए। इनका पास प्रतिशत 63.07 रहा। सामान्य अंग्रेजी के पेपर में 7 लाख 20 हजार 458 विद्यार्थी शामिल हुए। विज्ञान विषय में 8 लाख 8 हजार 611 विद्यार्थी शामिल हुए। इसमें करीब दो लाख विद्यार्थी फेल हुए थे।

# 10वीं के छात्रों को अब अगले साल से नहीं मिलेगा बेस्ट ऑफ फाइव का लाभ, शासन ने योजना बंद करने का लिया निर्णय

**जागरण प्रतिनिधि, भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग ने पांच साल बाद नवमीं-दसवीं में बेस्ट आफ फाइव को समाप्त कर दिया है। नवमीं-दसवीं में सामान्य गणित व उच्च गणित का विकल्प रहेगा। नवमीं-दसवीं में सतत व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया लागू रहेगी। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिए है। बेस्ट आफ फाइव के समाप्त करने के निर्णय को वर्ष 2024-25 से लागू किया जाएगा। जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षण सत्र 2023-24 से कक्षा 9वीं व 10वीं में सतत व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया लागू की जाएगी। शिक्षण सत्र 2023-24 में कक्षा नवमीं व 2024-25 से कक्षा 10वीं में विद्यार्थियों को सामान्य गणित एवं उच्च गणित का विकल्प दिया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं परीक्षा में छह साल पहले वर्ष 2017 में आधे से अधिक छात्र फेल हो गए थे। इस संकट से उबरने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बेस्ट आफ फाइव योजना को लागू कर दिया था। इसमें परीक्षार्थी सभी छह विषय की परीक्षा में शामिल होंगे, लेकिन सर्वाधिक पांच अंक वाले विषयों के नंबर जोड़कर रिजल्ट घोषित किया जाएगा। जबकि सबसे कम अंक आने वाले विषय को रिजल्ट में शामिल नहीं किया जाएगा।

## छात्रों ने पढ़ना ही छोड़ दिया

मध्यप्रदेश बोर्ड में बेस्ट आफ फाइव योजना के लागू होने के बाद दसवीं के वर्ष 2018 के रिजल्ट में काफी सुधार आया। लेकिन इसमें देखने में आया कि विद्यार्थियों ने गणित व अंग्रेजी पर ध्यान देना बंद कर दिया। दोनों विषय में पिछड़ने लगे हैं। पिछले सालों में दसवीं की गणित व अंग्रेजी में सबसे ज्यादा विद्यार्थी फेल हुए हैं। गणित, विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों में फेल होने के बाद भी विद्यार्थियों के पांच विषयों में पास होने पर पास की अंकसूची जारी की गई, लेकिन इसका नतीजा यह निकला कि यह छात्र आर्मी में भर्ती के लिए अयोग्य हो गए। इसे देखते हुए माशिमं द्वारा पिछले साल भी बेस्ट आफ फाइव को समाप्त करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा, लेकिन इसे अमान्य कर दिया था।

# 'बेस्ट ऑफ फाइव' योजना बंद, 10वीं के छात्रों को अगले साल से नहीं मिलेगा लाभ

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9893231237

स्कूल शिक्षा विभाग ने करीब पांच साल बाद कक्षा नौवीं-दसवीं में 'बेस्ट ऑफ फाइव' को समाप्त कर दिया है। इन दोनों कक्षाओं में सामान्य गणित व उच्च गणित का विकल्प रहेगा। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिए।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षण सत्र 2023-24 से कक्षा 9वीं व 10वीं में सतत व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया लागू की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं परीक्षा में छह साल पहले वर्ष 2017 में आधे से अधिक छात्र फेल हो गए थे। इस संकट से उबरने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 'बेस्ट आफ फाइव' योजना लागू की थी। इसमें विद्यार्थी सभी छह विषय की परीक्षा में शामिल होते थे, लेकिन सर्वाधिक पांच अंक वाले विषयों के नंबर जोड़कर रिजल्ट घोषित किया जाता था। सबसे कम अंक आने वाले विषय को रिजल्ट में शामिल नहीं किया जाता था। इसके कारण रिजल्ट में सुधार हो गया था।

**गणित पढ़ना ही छोड़ दिया था :** 'बेस्ट आफ फाइव' लागू होने के बाद 2018 में 10वीं के रिजल्ट में काफी सुधार आया। लेकिन देखने में आया कि विद्यार्थियों ने गणित व अंग्रेजी पर ध्यान देना बंद कर दिया। लेकिन गणित, विज्ञान जैसे प्रमुख विषयों में फेल होने के बाद भी विद्यार्थियों के पांच विषयों में पास होने पर पास की अंकसूची जारी की गई। इसका नतीजा यह निकला कि यह छात्र आर्मी में भर्ती के लिए अयोग्य हो गए। इसे देखते हुए माशिमं द्वारा पिछले साल भी बेस्ट आफ फाइव को समाप्त करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा, लेकिन इसे अमान्य कर दिया था।

## मध्य प्रदेश बोर्ड का बड़ा फैसला...

# गणित नहीं पढ़ रहे थे बच्चे, अब 10वीं में बेस्ट ऑफ फाइव खत्म

- **अगले सत्र से सभी छह विषयों में पास होना जरूरी**

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

मध्य प्रदेश बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में 2024-25 से 9वीं और दसवीं कक्षा में बेस्ट ऑफ फाइव सिस्टम खत्म हो जाएगा। अब वार्षिक परीक्षा में सभी विषयों में पास होना जरूरी होगा। इस संबंध में गुरुवार को स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया। अभी 10वीं के छह विषयों में उन पांच विषयों के अंक लिए जाते हैं, जिनमें विद्यार्थी को सबसे अधिक अंक प्राप्त हुए हैं। अब सभी छह विषयों के अंक जोड़े जाएंगे। इसके तहत वर्तमान में जो विद्यार्थी नौवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं, वे जब अगले साल दसवीं की परीक्षा देंगे... तब उन पर बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति लागू नहीं की जाएगी। पहले की व्यवस्था की तरह सभी विषयों के अंक जोड़कर रिजल्ट तैयार होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव प्रमोद सिंह ने बताया कि बहुत से विद्यार्थियों ने बेस्ट ऑफ फाइव के कारण गणित पर ध्यान देना छोड़ दिया था। उनका गणित लगातार कमजोर हो रहा था। अब सामान्य और उच्च गणित लेकर कम से कम पे गणित तो पढ़ेंगे ही। इसी के तहत सामान्य और उच्च गणित का विकल्प दिया जाएगा और नौवीं-दसवीं में वार्षिक परीक्षा में प्राप्तांकों की गणना के लिए बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति को समाप्त किया जाएगा।

चालू शिक्षण सत्र 2023-24 से कक्षा 9वीं और 10वीं में सतत व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसी के साथ इस शिक्षा सत्र में कक्षा नौवीं और 2024-25 में दसवीं कक्षा में विद्यार्थियों को सामान्य गणित और उच्च गणित का विकल्प दिया जाएगा। बता दें कि 2017 में दसवीं में आधे से ज्यादा छात्र फेल हो गए थे। इसलिए बेस्ट ऑफ फाइव लागू किया था।

### आर्मी के फॉर्म भरने में भी दिक्कत थी

बेस्ट ऑफ फाइव के तहत 6 विषयों में से परीक्षार्थी अगर एक में पास नहीं है, पर अंक सूची के अनुसार वह उत्तीर्ण है, तो वह आर्मी (जीडी) के फॉर्म नहीं भर सकता था। क्योंकि उस फार्म में छात्रों को दसवीं प्रणाली में विज्ञान, गणित व हिंदी जैसे विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी है।

पत्रिका
खंडवा, रविवार, 17 दिसंबर, 2023
SUNDAY 05
patrika.com

एमपी बोर्ड : सभी विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी

# 10वीं के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा बेस्ट ऑफ फाइव योजना का लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**जबलपुर.** हाईस्कूल परीक्षा में शामिल होने जा रहे छात्रों को इस बार से बेस्ट ऑफ फाइव का लाभ नहीं मिलेगा। यानी विद्यार्थियों को सभी छह विषयों में पास होना जरूरी होगा। इस सम्बंध में जिले के सभी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला शिक्षा विभाग ने बदली हुई व्यवस्था और कोर्स पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी से शुरू हो रही हैं।

## ये है योजना

माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड ने वर्ष 2017 में बेस्ट ऑफ फाइव योजना लागू की थी। इसके तहत छह विषयों में से एक में फेल होने पर भी छात्र को पास कर दिया जाता था। अब सभी विषयों में पास होना होगा।

इस साल से बेस्ट ऑफ फाईव योजना का लाभ छात्रों को नहीं मिलेगा। इस सम्बंध में सभी स्कूल प्राचार्यों को निर्देश जारी कर छात्रों को अवगत कराने और कोर्स पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

**संजय मेहरा,** एडीपीस, स्कूल शिक्षा विभाग

विमर्शपोर्टल

**माशिमं •** बेस्ट ऑफ फाइव लागू नहीं होगा, इसलिए सभी विषयों में पास होना जरूरी

# परीक्षा के बाद होगी समीक्षा, जिन स्कूलों का रिजल्ट बिगड़ेगा, वहां के प्रिंसिपल और शिक्षक जिम्मेदार

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्ध स्कूलों में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षाएं शनिवार को समाप्त हो जाएंगी। इसके बाद प्रदेश के सभी स्कूल फरवरी में होने वाली वार्षिक परीक्षा की तैयारी में जुटेंगे। अर्धवार्षिक परीक्षा के रिजल्ट के आधार पर छात्रों को वार्षिक परीक्षा के लिए तैयारी करवाई जाएगी। जिन छात्रों का डी ग्रेड होगा, उनके लिए यह प्रयास होगा कि वे परीक्षा पास कर लें। इस बार हाई स्कूल की परीक्षा में बेस्ट ऑफ फाइव सिस्टम भी समाप्त कर दिया गया है। छात्रों को सभी विषयों में पास होना जरूरी होगा। इस वजह से यह परीक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। कोविड के बाद यह दूसरी बोर्ड परीक्षा होगी।

इधर, स्कूल शिक्षा विभाग हाई स्कूल और हायर सेकंडरी के परीक्षा परिणाम की समीक्षा करेगा। जिन स्कूलों का रिजल्ट बिगड़ेगा वहां प्रिंसिपल और संबंधित विषय के शिक्षकों पर कार्रवाई भी की जाएगी। इसमें वेतनवृद्धि रोकना व अन्य तरह की कार्रवाई शामिल है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए परिणाम का प्रतिशत और परिस्थिति तय की जाएगी और उसे आधार बनाकर कार्रवाई की जाएगी।

## अभी समय है, रिजल्ट सुधार सकते हैं...

अभी बोर्ड परीक्षा शुरू होने में करीब डेढ़ महीने का समय बचा है। स्कूलों में कोर्स भी 80 प्रतिशत से ज्यादा कवर किया जा चुका है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब भी स्कूलों के पास रिजल्ट सुधारने का वक्त है। स्कूलों में स्पेशल क्लास, रेमेडियल क्लास आदि शुरू की गई हैं। उसमें विभिन्न ग्रेड वाले छात्रों को उनकी जरूरत के हिसाब से तैयारी करवाई जाएगी।

**75 फीसदी विद्यार्थियों पर फोकस-** समीक्षा के दौरान यह ध्यान रखा जाएगा कि सरकारी स्कूल में नियमित आने वाले छात्रों में केवल 75 फीसदी ही नियमित आते हैं। शेष विभिन्न कारणों से अनुपस्थित रहते हैं। ऐसे में परिणाम की समीक्षा भी इसी आधार की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि इस बार परीक्षा करीब एक महीना पहले हो रही है। ऐसे में छात्रों को तैयारी के लिए कितना समय मिला।

**स्कूलों की स्थिति को भी देखेंगे-** परिणाम के बाद समीक्षा और कार्रवाई में संबंधित स्कूल की परिस्थितियों को भी देखा जाएगा। मसलन, उस स्कूल में कितने शिक्षक हैं, प्रिंसपल हैं या किसी शिक्षक के पास ही चार्ज है, पर्याप्त शिक्षक हैं या नहीं। अगर पर्याप्त स्टाफ है तो प्रिंसिपल के साथ ही संबंधित विषय के शिक्षकों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

## वार्षिक परीक्षा की तैयारी, निर्देश दिए

*वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे रिजल्ट सुधारने के लिए हर संभव प्रयास करें। स्कूलों ने एक्स्ट्रा क्लास भी शुरू कर दी हैं। रिजल्ट आने के बाद उसकी समीक्षा भी की जाएगी। जिनका परफॉर्मेंस तय पैमाने के हिसाब से ठीक नहीं है, उन पर कार्रवाई की जाएगी।*

**-डीएस कुशवाह,**
संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय

## गणित और इंग्लिश पर रहेगा फोकस

बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कत इंग्लिश और मैथ्स में होती है। इस वजह से इन दोनों विषयों पर विशेष रूप से फोकस किया जाएगा ताकि इनमें छात्र किसी तरह से पास हो जाएं। ऐसे छात्र जिनके 40 प्रतिशत से कम अंक आएंगे उन्हें अतिरिक्त कक्षा लगाकर तैयारी करवाएंगे जबकि जिनका बेहतर प्रदर्शन है उन्हें अच्छे रिजल्ट के लिए तैयार किया जाएगा।